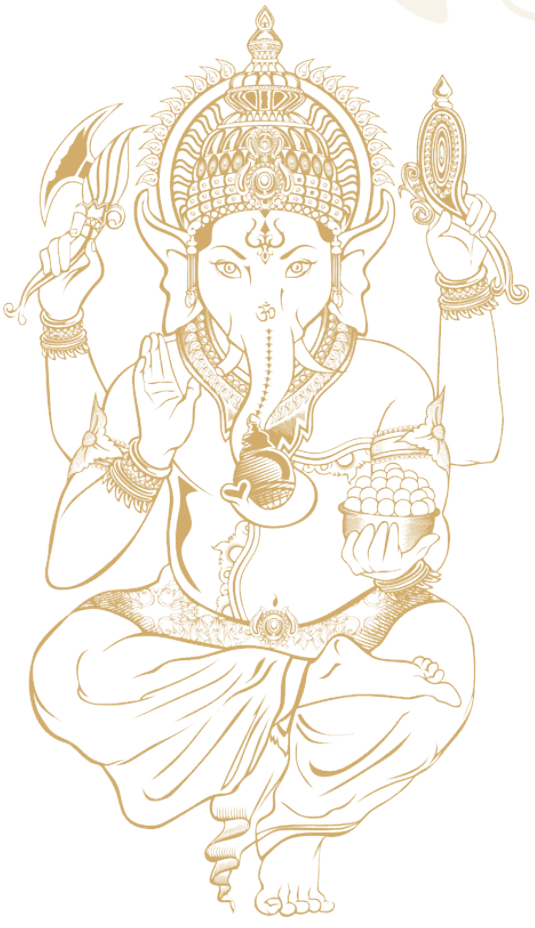

Sargam patkar

Madhuri Patwa

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121867910

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/05/1994	जन्म तिथि	9-10/09/1996
मंगलवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 17:27:00	जन्म समय	03:20:00 घंटे
घटी 30:09:51	जन्म समय(घटी)	53:34:58 घटी
India	देश	India
Sihora	स्थान	Rehti
23:30:00 उत्तर	अक्षांश	22:44:00 उत्तर
80:09:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:09:24	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:03	सूर्योदय	06:05:14
18:50:45	सूर्यास्त	18:29:25
23:46:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:42

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 15वर्ष 9मा 29दि		28:29:50	तुला	लग्न	कर्क	15:40:07	बुध 12वर्ष 9मा 7दि	
शनि		16:01:23	वृष	सूर्य	सिंह	23:39:46	शुक्र	
31/03/2026		08:16:22	कुंभ	चंद्र	कर्क	19:59:05	17/06/2016	
30/03/2045		11:52:04	मेष	मंगल	कर्क	06:14:07	17/06/2036	
शनि	03/04/2029	09:02:34	मिथु	बुध व	कन्या	07:59:29	शुक्र	18/10/2019
बुध	12/12/2031	12:26:43	तुला व	गुरु	धनु	14:04:16	सूर्य	17/10/2020
केतु	19/01/2033	18:41:44	मिथु	शुक्र	कर्क	09:04:28	चन्द्र	18/06/2022
शुक्र	21/03/2036	18:11:55	कुंभ	शनि व	मीन	11:26:21	मंगल	18/08/2023
सूर्य	03/03/2037	29:54:42	तुला व	राहु व	कन्या	14:18:31	राहु	18/08/2026
चन्द्र	02/10/2038	29:54:42	मेष व	केतु व	मीन	14:18:31	गुरु	18/04/2029
मंगल	11/11/2039	02:11:15	मक व	हर्ष व	मक	07:11:42	शनि	17/06/2032
राहु	17/09/2042	29:13:59	धनु व	नेप व	मक	01:21:20	बुध	18/04/2035
गुरु	30/03/2045	02:32:11	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	06:46:46	केतु	17/06/2036

लग्न-चलित

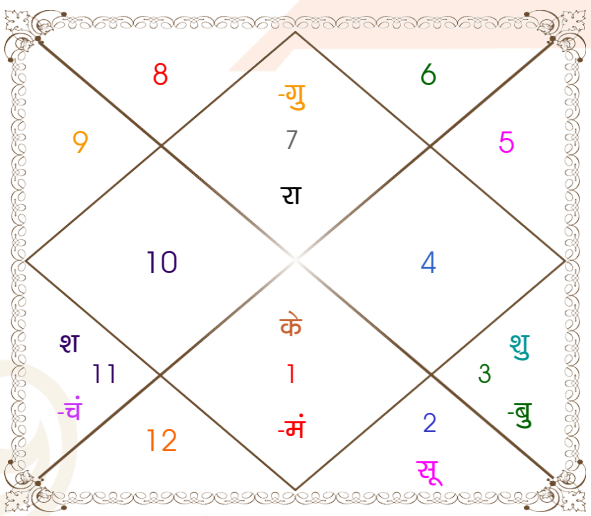

लग्न-चलित

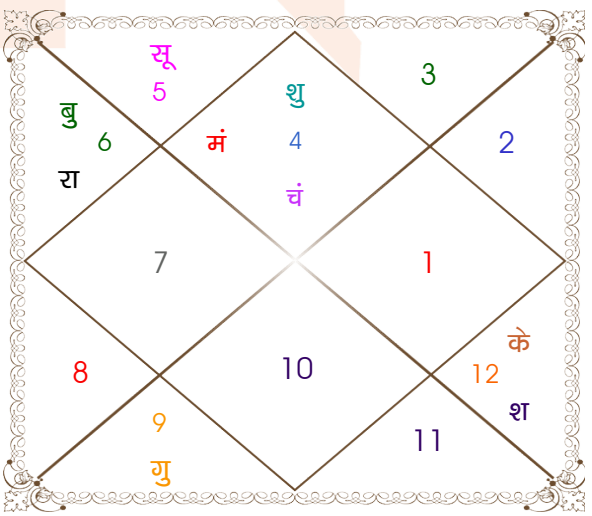

Shri Dadaji Jyotish Kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajijyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Sargam patkar का वर्ग मार्जार है तथा Madhuri Patwa का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sargam patkar और Madhuri Patwa का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Sargam patkar मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Sargam patkar कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Sargam patkar कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Madhuri Patwa मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Madhuri Patwa कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Madhuri Patwa कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Madhuri Patwa कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Sargam patkar कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sargam patkar तथा Madhuri Patwa में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।